



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 29 मार्च, 2026

जारी करने का समय: 1330 घंटे

- विषय: (i) इस हफ्ते के दौरान उत्तर-पश्चिमी भारत में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है, जिसकी तीव्रता 29 और 30 मार्च को सबसे ज़्यादा रहेगी; साथ ही 30 मार्च, 2026 को कश्मीर घाटी में कुछ जगहों पर भारी बारिश/बर्फबारी हो सकती है।
- (ii) 29-30 मार्च के दौरान उत्तर-पश्चिमी भारत में और 30-31 मार्च, 2026 के दौरान मध्य भारत के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि होने की संभावना है।
- (iii) इस हफ्ते के दौरान उत्तर-पूर्वी और उससे सटे पूर्वी भारत में गरज-चमक और तेज़ हवाओं के साथ कहीं-कहीं से लेकर काफ़ी बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है; साथ ही 30 मार्च से 01 अप्रैल, 2026 के बीच उत्तर-पूर्वी भारत में कुछ जगहों पर भारी बारिश भी हो सकती है।
- (iv) इस हफ्ते के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में गरज-चमक और तेज़ हवाओं के साथ कहीं-कहीं बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है।

आज, 29 मार्च, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ मिज़ोरम के कुछ अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि की सूचना मिली है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ के कुछ अलग-अलग स्थानों पर 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से चलने वाली तेज़/झोंकेदार हवाओं के साथ आंधी-तूफ़ान आने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ अधिकतम/दिन का तापमान (37°C- 41°C) की सीमा में रहा: महाराष्ट्र, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, आंतरिक ओडिशा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी मध्य प्रदेश के कई स्थानों पर; दक्षिणी राजस्थान, गुजरात क्षेत्र, तटीय आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, दक्षिणी केरल के कुछ स्थानों पर; और राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओडिशा, केरल के शेष स्थानों पर (32°C- 37°C) की सीमा में रहा; साथ ही दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तटीय कर्नाटक, गांगेय पश्चिम बंगाल, झारखंड, दक्षिण-पश्चिमी बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा के कई स्थानों पर भी इसी सीमा में रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 41.2°C अकोला (महाराष्ट्र) में दर्ज किया गया।
- ❖ अधिकतम तापमान/दिन का तापमान जम्मू और कश्मीर के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) रहा; हिमाचल प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी ऊपर (3.1°C से 5.0°C) रहा; विदर्भ के कई स्थानों पर सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) रहा; तटीय कर्नाटक, पंजाब के कुछ स्थानों पर; तथा छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, गांगेय पश्चिम बंगाल, केरल और माहे, कोंकण

और गोवा, ओडिशा, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तेलंगाना, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर सामान्य से ऊपर रहा।

- ❖ न्यूनतम/रात का तापमान हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, मध्य प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, मिजोरम, केरल तथा तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 12-18°C की सीमा में रहा। देश के मैदानी इलाकों के शेष हिस्सों में यह 18-25°C की सीमा में रहा। आज, भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 15.6°C नजीबाबाद (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) में दर्ज किया गया।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात राज्य में न्यूनतम/रात का तापमान सामान्य से काफी ऊपर (3.1°C से 5.0°C) था; महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C); गंगा के तटवर्ती पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे में सामान्य से नीचे (-3.0°C से -1.6°C) और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- ❖ पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी ईरान और उससे सटे कैस्पियन सागर के ऊपर, समुद्र तल से ऊपर निचले और ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक स्तरों के बीच, एक ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के रूप में मौजूद है; इसके साथ एक संबद्ध द्रोणी (trough) लगभग 57°E देशांतर के साथ, 23°N अक्षांश के उत्तर में, मध्य और ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक स्तरों पर स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पश्चिमी राजस्थान और उसके आसपास के क्षेत्र में स्थित है, जो निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर तक फैला हुआ है।
- ❖ उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के ऊपर स्थित उपरोक्त चक्रवाती परिसंचरण से लेकर उत्तरी मध्य प्रदेश के मध्य भागों तक, निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर में एक द्रोणी फैली हुई है।
- ❖ बिहार से लेकर झारखंड होते हुए गंगा-तटीय पश्चिम बंगाल तक, निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर में एक द्रोणी फैली हुई है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तरी ओडिशा और उसके आसपास के क्षेत्र में, निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर में स्थित है।
- ❖ उत्तरी ओडिशा के ऊपर स्थित उपरोक्त चक्रवाती परिसंचरण से लेकर दक्षिण छत्तीसगढ़, तेलंगाना और आंतरिक कर्नाटक होते हुए दक्षिण तमिलनाडु तक, निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर में एक द्रोणी/पवन विच्छिन्नता (Wind discontinuity) फैली हुई है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पूर्वी बांग्लादेश और उसके आसपास के क्षेत्र में, निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर में स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पूर्वी असम और उसके आसपास के क्षेत्र में, निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर में स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण रायलसीमा और उसके आसपास के क्षेत्र में, निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर में स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और उसके आसपास के क्षेत्र में, मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर में स्थित है।
- ❖ उत्तरी भारत के ऊपर उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम (Jet Stream) प्रभावी है, जिसकी मुख्य हवाओं की गति समुद्र तल से 12.6 किमी की ऊंचाई पर लगभग 80 नॉट्स है।
- ❖ एक नया पश्चिमी विक्षोभ 02 अप्रैल, 2026 से उत्तर-पश्चिमी भारत को प्रभावित कर सकता है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 29-30 मार्च और फिर 02 और 03 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 29-30 मार्च और फिर 03 और 04 अप्रैल को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में; और 29-31 मार्च को उत्तराखंड में, काफी बड़े इलाके से लेकर बड़े इलाके तक हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है। इसके साथ ही कुछ जगहों पर गरज-चमक और 30-50 kmph की रफ़्तार से तेज़ हवाएँ चलने की भी संभावना है।
- 29-31 मार्च के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में कुछ जगहों से लेकर बिखरी हुई हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही गरज-चमक और 30-50 kmph की रफ़्तार से तेज़ हवाएँ चलने की भी संभावना है।
- 30 मार्च को कश्मीर घाटी में कुछ जगहों पर भारी बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है।
- इसके अलावा, 29 मार्च को जम्मू-कश्मीर और पश्चिमी राजस्थान में; 29 और 30 मार्च को हिमाचल प्रदेश, पंजाब और पूर्वी राजस्थान में; और 30 मार्च को उत्तराखंड में कुछ जगहों पर ओले गिरने की भी संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- 29 मार्च से 02 अप्रैल के दौरान असम और मेघालय में, तथा 29 से 31 मार्च के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में गरज, बिजली चमकने और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज़ हवाओं के साथ, काफी बड़े से लेकर विस्तृत क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है; साथ ही 29 से 31 मार्च के दौरान अरुणाचल प्रदेश में बिजली चमकने की भी संभावना है।
- 30 मार्च से 01 अप्रैल के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में, तथा 30 मार्च को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कुछ अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- 29 मार्च से 1 अप्रैल के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 29 मार्च को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और बिहार में; 29, 31 मार्च और 2 अप्रैल को झारखंड में; और अगले 5 दिनों के दौरान ओडिशा में, गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (30-50 kmph की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की काफी व्यापक से व्यापक संभावना है।
- 31 मार्च को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और बिहार में, गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (40-50 kmph, झोंकों के साथ 60 kmph तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की छिटपुट से बिखरी हुई संभावना है।
- 31 मार्च को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और बिहार में, गरज के साथ तेज़ हवाओं (50-60 kmph, झोंकों के साथ 70 kmph तक) चलने की संभावना है।
- 31 मार्च को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, ओलावृष्टि के साथ कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- 29 मार्च से 02 अप्रैल के दौरान मध्य प्रदेश और विदर्भ में, तथा अगले 6 दिनों के दौरान छत्तीसगढ़ में, गरज-चमक, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- 30 मार्च को पश्चिमी मध्य प्रदेश में, तथा 31 मार्च को विदर्भ और छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- मध्य महाराष्ट्र में 29 से 31 मार्च के दौरान और मराठवाड़ा में 29 मार्च से 02 अप्रैल के दौरान, गरज, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक) के साथ कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है; गुजरात राज्य में 29, 30 मार्च और 02 अप्रैल को; कोंकण और गोवा में 31 मार्च से 02 अप्रैल के दौरान और मध्य महाराष्ट्र में 01 और 02 अप्रैल को बिजली कड़कने की संभावना है।
- मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 30 और 31 मार्च को कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 29 तारीख को केरल और माहे में गरज-चमक, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक) के साथ कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है; 29 मार्च से 02 अप्रैल के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना और कर्नाटक में; 29 और 31 मार्च को तमिलनाडु में बिजली कड़कने की संभावना है; तथा 30 मार्च से 02 अप्रैल के दौरान तटीय कर्नाटक और केरल व माहे में बारिश की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- उत्तर-पश्चिमी भारत में 30 मार्च तक अधिकतम तापमान में 2-4°C की क्रमिक गिरावट की संभावना है; वहीं 29 मार्च से 02 अप्रैल के दौरान इसमें 3-5°C की क्रमिक वृद्धि हो सकती है।
- मध्य भारत में 01 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और 02 अप्रैल से 04 अप्रैल के दौरान इसमें 3-5°C की क्रमिक गिरावट हो सकती है।
- पूर्वी भारत में 02 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में 3-5°C की क्रमिक वृद्धि की संभावना है, और 03 अप्रैल से 04 अप्रैल के दौरान इसमें कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।
- गुजरात राज्य में 01 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक गिरावट की संभावना है, और 02 अप्रैल से 04 अप्रैल के दौरान इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- महाराष्ट्र में 30 मार्च तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और 31 मार्च से 04 अप्रैल के दौरान इसमें 2-3°C की क्रमिक गिरावट हो सकती है।
- देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 29 मार्च से 03 अप्रैल, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- बंगाल की खाड़ी: 29 मार्च को गंगा-तटीय पश्चिम बंगाल और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी से सटे EIO के ऊपर।
- अरब सागर: 29 मार्च को ओमान तट के साथ और उससे दूर, ओमान की खाड़ी और उत्तर-पश्चिमी अरब सागर के कुछ हिस्सों में।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 29 मार्च से 01 अप्रैल 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक दर्ज की गई महत्वपूर्ण वर्षा (सेमी में):

- असम और मेघालय: सिलचर (जिला कछार) 3, डिब्रूगढ़ (जिला डिब्रूगढ़), उत्तरी लखीमपुर (जिला लखीमपुर), तेजपुर (जिला सोनितपुर), शिलांग (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 1 प्रत्येक;
- तटीय कर्नाटक: मेंगलोर (बाजपे) एपी (जिला दक्षिण कन्नड़) 3;
- नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: दीमापुर (जिला दीमापुर), आइजोल-लेंगपुई (जिला ममित) 2 प्रत्येक; जम्मू और कश्मीर और लद्दाख: बटोटे (जिला डोडा) 2;
- अरुणाचल प्रदेश: पासीघाट (जिला पूर्वी सियांग) 1;
- पंजाब: अमृतसर (राजसांसी) एपी (जिला अमृतसर) 1

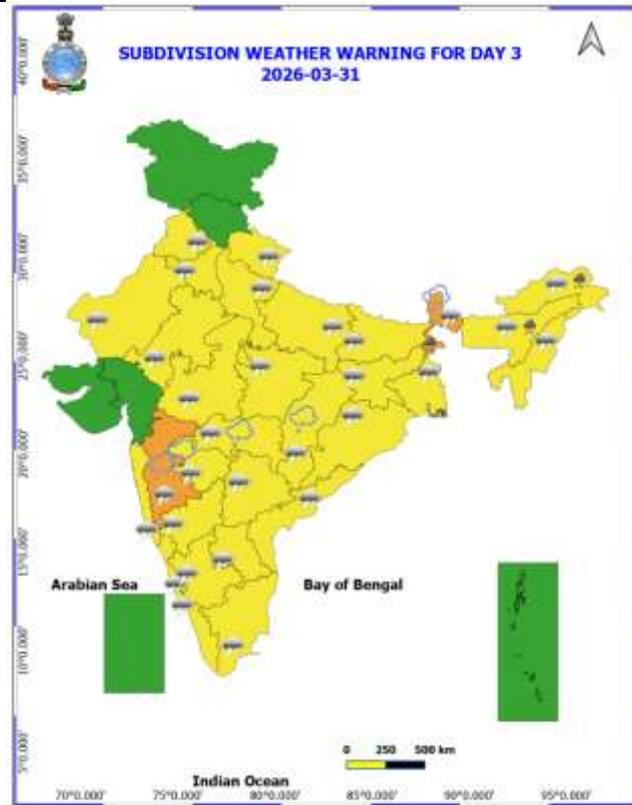
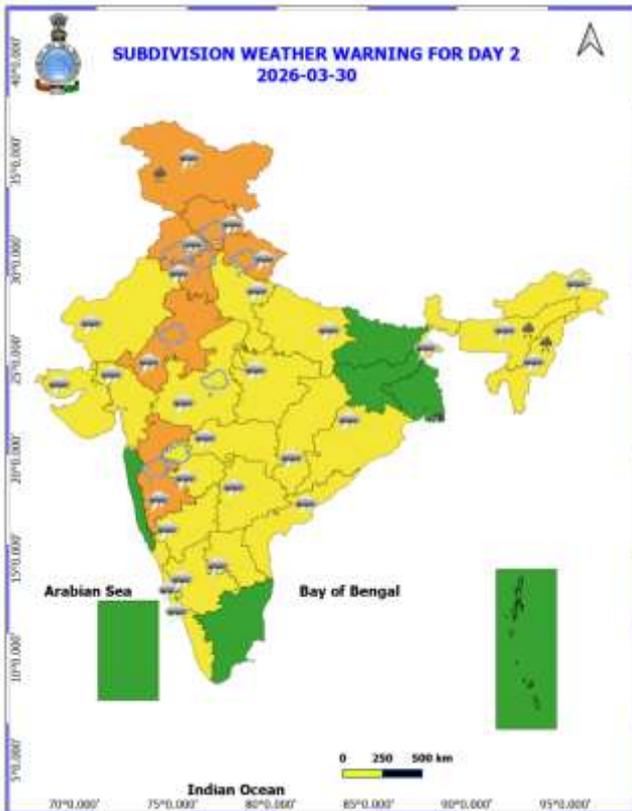
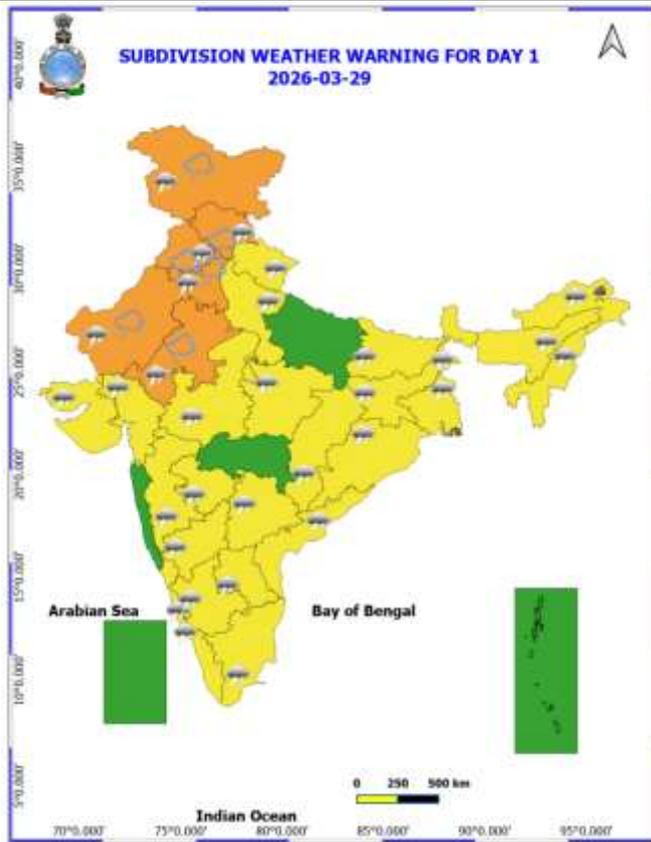
पिछले 24 घंटों से (भारतीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे तक) तेज हवाएं चल रही हैं (अधिकतम गति किमी प्रति घंटा में):

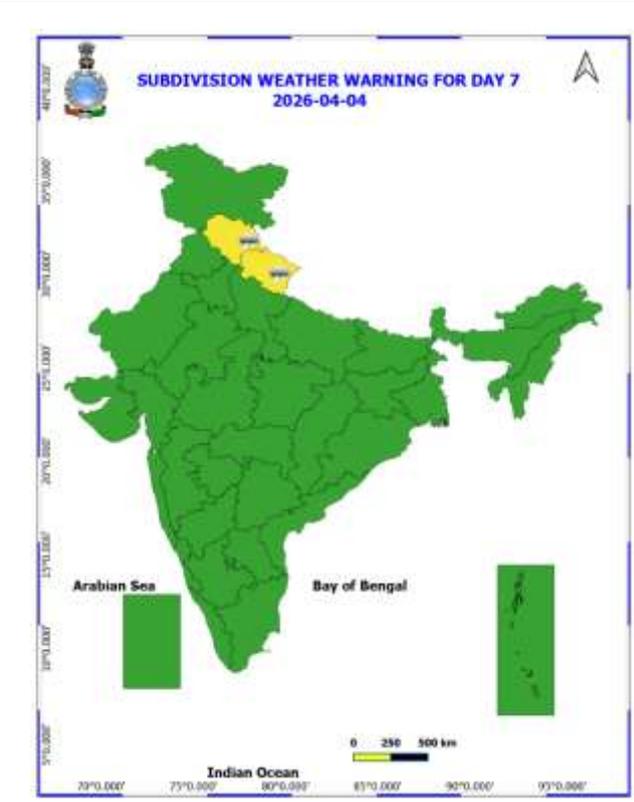
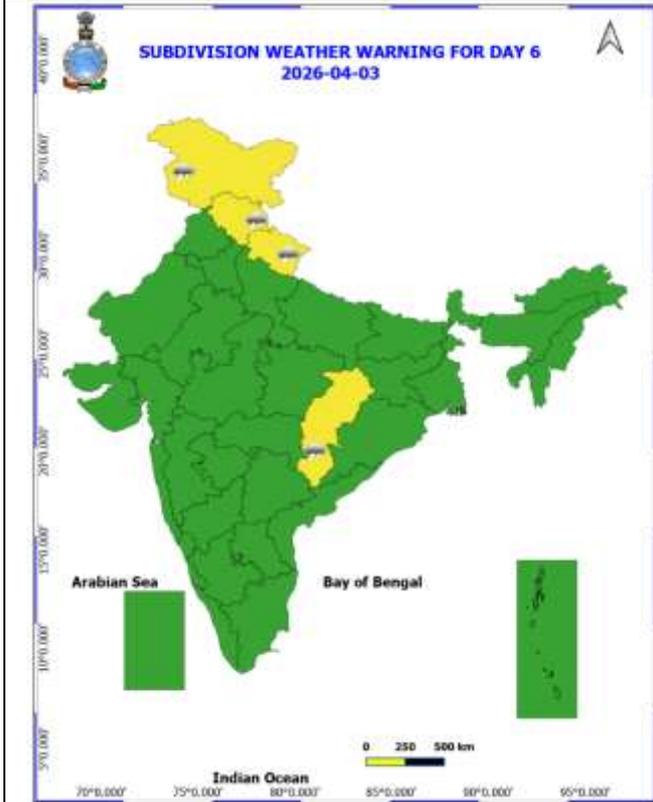
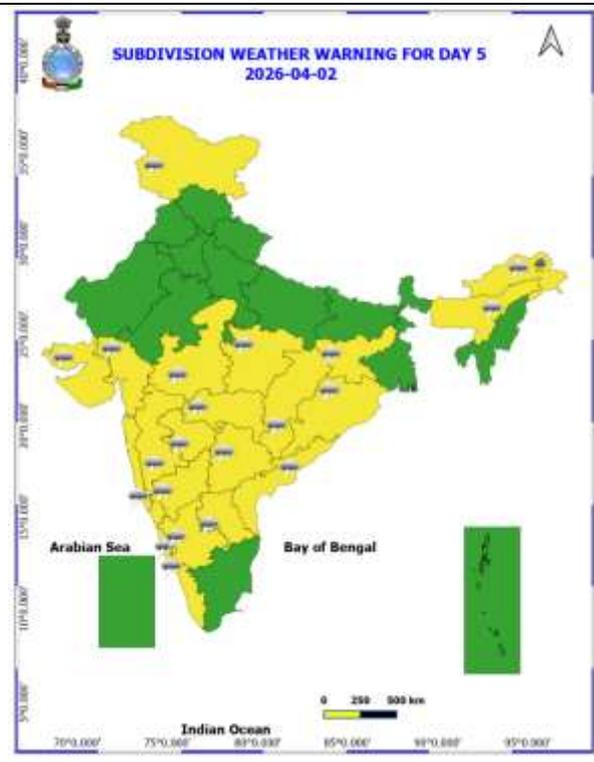
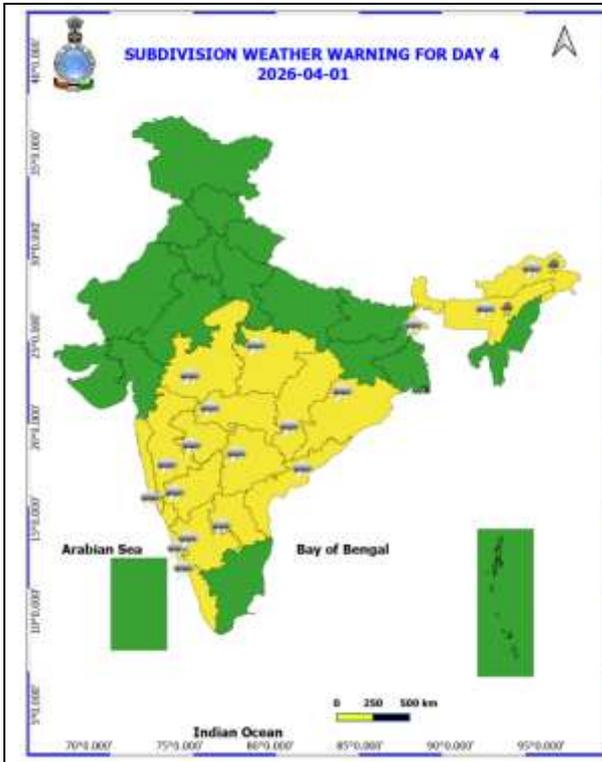
- अरुणाचल प्रदेश: लॉन्गडिंग_न्यू 39
- असम और मेघालय: मानस 63, मावक्रियट35
- नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: इम्फाल 59, थौबल 59, मोरेह 56, पोरोम्पेट 44, खौपुम 44, कामजोंग 43, सैकुल 39, गेलजंग_रिजॉर्ट 35
- ओडिशा: जान्हुकुडा (44)
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद: कुपवाड़ा 30, चाथा 30, शोपियां 30
- हिमाचल प्रदेश: ताबो 39, सियोबाग 37
- उत्तराखंड: कोश्याकुटोली31
- पंजाब: संगरूर 39
- छत्तीसगढ़: रायपुर (47), कोरिया (35)
- पूर्वी मध्य प्रदेश: कटनी 41, सागर 39, जबलपुर, रीवा 37, शहडोल 35
- पश्चिम मध्य प्रदेश: एचएसबी 43, सीहोर, इंडस्ट्रीज़ 41, गुना, बीएचपी 37, अशोकनगर, आगर, बड़वानी 35, उज्जैन, 31
- कोंकण और गोवा: अलीबाग (रायगढ़) 33, कर्जत रायगढ़) 31, कोलाबा (मुंबई) 31
- मध्य महाराष्ट्र: रगुरुनगर (पुणे) 43, नारायणगांव (पुणे) 43, शहादा (नंदुरबार) 43
- मराठावाड़ा: अंबेजोगाई (बीड) 33, हिंगोली 33
- गुजरात क्षेत्र: वडोदरा 26
- सौराष्ट्र और कच्छ: कांडला 28

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	29- Mar	30- Mar	31- Mar	1- Apr	2- Apr	3- Apr	4- Apr
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	FWS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	FWS	FWS	WS	SCT	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	SCT	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
9	BIHAR	ISOL	ISOL	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
12	UTTARAKHAND	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
14	PUNJAB	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	WS	SCT	ISOL	ISOL	SCT	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
36	LAKSHADWEEP	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY

s

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

29 मार्च से 01 अप्रैल 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 1-2°C तक और अधिकतम तापमान में 1-2°C तक की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 32-34°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 19-21°C की सीमा में रहे। दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहे और न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) रहे। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और हवा की गति पश्चिम दिशा से 14 kmph तक रही। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतह पर हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 kmph की गति से चलीं।

मौसम का पूर्वानुमान:

29.03.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जो दोपहर तक आमतौर पर बादलों से घिर जाएंगे। दोपहर में गरज/बिजली कड़कने और 30-40 kmph की तेज़ सतही हवाओं (जो 50 kmph तक पहुंच सकती हैं) के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक दौर आ सकता है। शाम से रात के दौरान गरज/बिजली कड़कने और 20-30 kmph की तेज़ सतही हवाओं (जो 40 kmph तक पहुंच सकती हैं) के साथ बहुत हल्की बारिश/बूदाबांदी का एक और दौर आ सकता है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 31°C से 33°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेंगे। दोपहर के समय सतह पर चलने वाली मुख्य हवाएं दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिनकी गति 15 kmph तक पहुंच सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी और दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 kmph से कम हो जाएगी।

30.03.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जो दोपहर तक आमतौर पर बादलों से घिर जाएंगे। दोपहर से शाम के दौरान गरज/बिजली कड़कने के साथ बहुत हल्की बारिश/बूदाबांदी की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 28°C से 30°C और 20°C से 22°C की सीमा में रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी रफ़्तार सुबह के समय 10 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ़्तार उत्तर दिशा से बढ़कर 15 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार धीरे-धीरे बढ़ेगी और उत्तर दिशा से 25 kmph से कम हो जाएगी।

31.03.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा, जो दोपहर तक आम तौर पर बादल वाला हो जाएगा। दोपहर के समय बहुत हल्की बारिश/बूदाबांदी की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 29°C से 31°C और 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी रफ़्तार सुबह के समय 10 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ़्तार पश्चिम दिशा से बढ़कर 12 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार धीरे-धीरे बढ़ेगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph से कम हो जाएगी।

01.04.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा, जो आम तौर पर बादल वाला हो जाएगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 18°C से 20°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर दिशा से आने की संभावना है, जिसकी रफ़्तार सुबह के समय 10

kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर 12 kmph तक हो जाएगी और यह उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 15 kmph तक हो जाएगी और यह उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने/तेज हवाओं और ओलावृष्टि के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- 29 मार्च को जम्मू-कश्मीर और पश्चिमी राजस्थान में भी कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है; 29 और 30 मार्च को हिमाचल प्रदेश, पंजाब और पूर्वी राजस्थान में; 30 मार्च को उत्तराखंड में; 31 मार्च को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 30 मार्च को पश्चिमी मध्य प्रदेश में और 31 मार्च को विदर्भ और छत्तीसगढ़ में; तथा 30 और 31 मार्च को मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में भी ओलावृष्टि हो सकती है।

संभावित प्रभाव:

- पेड़ों की शाखाएँ टूटना, सड़क किनारे लगे बड़े पेड़ उखड़ना। पेड़ों से बड़ी-बड़ी सूखी टहनियाँ गिरना। खड़ी फसलों को नुकसान।
- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- तेज हवा/ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।
- ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 30 मार्च को कश्मीर घाटी में कहीं-कहीं भारी बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है।
- 30 मार्च से 1 अप्रैल के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में, तथा 30 मार्च को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम व त्रिपुरा में; और 31 मार्च को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल व सिक्किम में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- निचले इलाकों और नदी तटों के कई हिस्सों में जलभराव/बाढ़।
- नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान।
- यातायात प्रवाह में प्रमुख व्यवधान। प्रमुख सड़कें/स्थानीय ट्रेनें प्रभावित।
- बहुत पुरानी इमारतों और अनुरक्षित न की गई संरचनाओं के लिए खतरा, पेड़ों के गिरने की संभावना।
- निचले जल पुलों को पार करने वाली सड़कों का बंद होना।

सुझाई गई कार्रवाई:

- यातायात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जाए।
- प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को अपनी आवाजाही सीमित करने की सलाह दी जाती है।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर पश्चिम राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, और झारखंड में, फलों के बगीचों और सब्जियों के पौधों को क्षति से बचाने के लिए हेल नेट या हेल कैप का उपयोग करें। परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें।
- मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और विदर्भ में, परिपक्व गेहूं, ज्वार, कुसुम, चना, मक्का, अलसी, फलों और सब्जियों की कटाई करें और कटाई की गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- उत्तराखंड में, परिपक्व सरसों, रैपसीड, मसूर और मटर की फसल की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, पश्चिमी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में फलों के बागों और सब्जियों के पौधों को यांत्रिक क्षति से बचाने के लिए ओला-रोधी जाल (hail nets) या ओला-रोधी टोपी (hail caps) का उपयोग करें। पकी हुई फसलों की कटाई तुरंत करें और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुँचा दें।
- मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और विदर्भ में, पके हुए गेहूं, ज्वार, कुसुम, चना, मक्का, अलसी, फलों और सब्जियों की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- उत्तराखंड में, पकी हुई सरसों, रैपसीड, मसूर और मटर की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम संबंधी सलाह

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, उचित जल निकासी चैनलों (नालियों) को सुनिश्चित करें, और धान, मक्का, अन्य खड़ी फसलों, सब्जियों और बागों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचा दें। कद्दू-वर्गीय सब्जियों (cucurbits) और 'डाले खोरसानी' की नर्सरी को पॉलीथीन शीट या एग्रो-नेट से ढक दें।
- अरुणाचल प्रदेश में, पतागोभी, मटर, सरसों और देर से पकने वाली धान की किस्मों की कटाई करें और आलू की खुदाई करें। कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचा दें। धान, मक्का, अन्य खड़ी फसलों, सब्जियों और बागों के खेतों में उचित जल निकासी चैनलों को बनाए रखें।
- असम में, खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकाल दें।
- मेघालय में, गर्मियों की सब्जियों की फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। बागानी फसलों (plantation crops) के लिए सहारा देने (staking and propping) का काम करें और युवा पौधों को भारी वर्षा से बचाएं। बगीचे वाली मटर की कटी हुई फलियों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर रखें।
- त्रिपुरा में, जलभराव को रोकने के लिए निचले इलाकों से अतिरिक्त पानी निकालने की आवश्यक व्यवस्था करें।
- मणिपुर में, बारिश से पहले पके हुए रैपसीड/सरसों, मटर, मसूर और प्याज की कटाई करें। कटी हुई उपज को बारिश से बचाने के लिए हवादार शेड में पहुँचा दें, और जब धूप निकले तो उसे धूप में सुखाएं। खड़ी फसलों, सब्जियों और बागों में पानी जमा होने से बचने के लिए अतिरिक्त पानी निकालने की आवश्यक व्यवस्था करें।
- जम्मू-कश्मीर में, गेहूं, चना, सरसों और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने की आवश्यक व्यवस्था करें। आंधी-तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम संबंधी सलाह

- कटी हुई फ़सल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या खेतों में ही उसे तिरपाल की चादरों से ढक दें। कटी हुई फ़सलों को ठीक से बांधें और उन्हें ढक दें, ताकि ज़मीन पर चलने वाली तेज़ हवाओं के कारण उनके अपनी जगह से हट जाने का खतरा कम हो सके।
- बागवानी फ़सलों को यांत्रिक सहारा दें, और तेज़ हवाओं के कारण फ़सलों के गिरने से बचाने के लिए सब्जियों और फलों के छोटे पौधों / फल देने वाले पौधों को डंडों या अन्य चीज़ों का सहारा दें।

पशुधन / मुर्गीपालन

- भारी बारिश / ओलावृष्टि के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें। चारे और पशु-आहार को सुरक्षित जगह पर रखें, ताकि वे खराब न हों।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

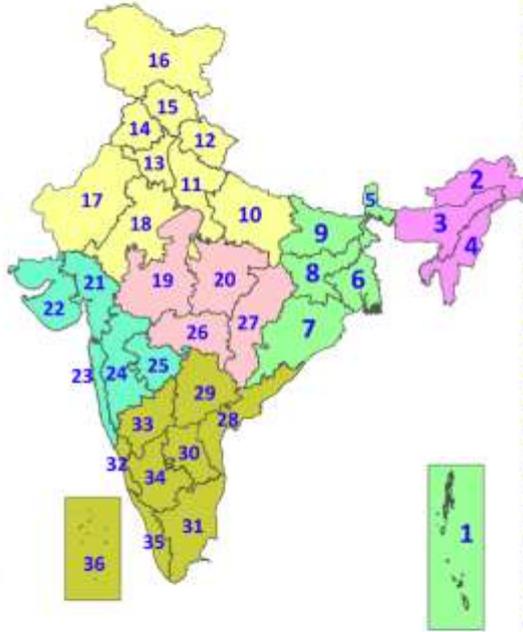
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$
(c). Criteria for heat wave for coastal stations
When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 - knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)